नेपाल सीमा तक बनने वाली सड़क पर हाथियों के लिये बनेंगे अंडरपास

चर्चा में क्यों?

6 सितंबर, 2022 को नेशनल हाईवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया (एनएचएआई) के परियोजना निदेशक योगेंद्र शर्मा ने बताया कि एनएचएआई की ओर से बनबसा में जगबूड़ा से नेपाल सीमा (चांदनी दुधारा) तक बनाई जाने वाली चार किमी. लंबी सड़क पर वन्यजीवों, खासकर हाथियों के अबाध आवागमन के मद्देनज़र अंडरपास बनाए जाएंगे।

प्रमुख बिंदु

- एनएचएआई के परियोजना निदेशक योगेंद्र शर्मा ने बताया कि वन्यजीवों के मूवमेंट के लिये सात सौ पचास मीटर की लंबाई में 25 जगहों पर अंडरपास बनाने की योजना है। संबंधित कार्य को 18 महीने में पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है।
- एनएचएआई के अधिकारियों का दावा है कि कुमाऊँ में पहली बार वन्यजीवों के मूवमेंट के लिये अंडर पास बनेगा। इस महत्त्वाकांक्षी योजना की टेंडर प्रक्रिया चल रही है।
- गौरतलब है कि नेपाल सरकार चांदनी दुधारा में ड्राईपोर्ट बनवा रही है। इस ड्राईपोर्ट को भारत से जोड़ने के लिये एनएचएआई बनबसा से नेपाल सीमा तक चार किमी. फोरलेन सड़क बनाने जा रहा है।
- एनएचएआई के अधिकारियों के अनुसार शारदा नदी पर पुल भी बनेगा। रेलवे ओवरब्रिज भी तैयार किया जाएगा। यहाँ पर एक संयुक्त जाँच चौकी (इमिग्रेशन, वन, पुलिस, एसएसबी और कस्टम) भी बनाई जाएगी।
- रक्षा एवं पर्यटन राज्यमंत्री अजय भट्ट ने बताया कि आवागमन को बेहतर और सुविधाजनक बनाने के लिये प्रयास किया जा रहा है। नेपाल सीमा तक महत्त्वपूर्ण सड़क बनाने की दिशा में कार्य प्रस्तावित है। इस योजना पर 225 करोड़ रुपए खर्च होंगे। बागेश्वर-टनकपुर रेलवे लाइन के लिये फाइनल लाइन सर्वे का काम चल रहा है, जिसके दिसंबर तक पूरा होने की उम्मीद है।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/underpass-for-elephants-on-the-road-to-the-nepal-border